प्रेस विज्ञप्ति

ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक ब्रह्माबाबा की 51वीं पुण्य तिथि

कैण्डिल पीस मार्च से दिया विश्व शान्ति का संदेश

विश्व शांति हेतु 12 घण्टे की मौन साधना के साथ ब्रह्माबाबा को दी श्रद्धांजली

विश्व शान्ति, सद्भावना एवं नैतिक मूल्यों के संवाहक थे ब्रह्माबाबा

त्याग, तप एवं दिव्यता के पोषक ब्रह्माबाबा ने नारीयों को मातृशक्ति के रूप में स्थापित किया

सारनाथ, 18 जनवरी। ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्माबाबा की 51वीं पुण्य तिथि विश्व शान्ति दिवस के रूप में विविध आयोजनों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सारनाथ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विश्व शान्ति हेतु विशेष मौन तपस्या के साथ कैण्डिल पीस मार्च का आयोजन किया गया।

उक्त अवसर पर संस्था की क्षेत्रीय निदेकिशका, राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने मानवीय मूल्यों की कमी को सामाजिक पतन का मूल कारण बताते हुए कहा कि ब्रह्माबाबा का जीवन मानवीय मूल्यों के उत्थान एवं विश्व शांति की स्थापना हेतु समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि तप, त्याग, करूणा, दिव्यता एवं पवित्रता रूपी गुणों से सम्पन्न बनाकर ब्रह्माबाबा ने नारीयों को मातृशक्ति के रूप में स्थापित किया। क्षेत्रीय प्रबंधक राजयोगी ब्र.कु. दिपेन्द्र ने कहा कि ब्रह्माबाबा ने भाषा, रंग, रूप, धर्म आदि अनेक भेदों से ऊपर उठकर नैतिक आदर्शमयी, सयमित एवं सन्तुलित जीवन के द्वारा जन–जन में आध्यात्मिक जागृति लाने का कार्य किया। ब्रह्माबाबा के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनसे श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा लेने हेतु श्रद्धालुओं को प्रेरित किया।

इस अवसर पर संस्था के सभागार में ब्रह्माबाबा को भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई। उक्त अवसर पर संस्था के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी ब्र.कु. विपिन, लेफ्टिनेण्ट कर्नल विकास चौहान, के.बी. सिंह आदि के साथ अनेक विशिष्टजनों ने ब्रह्माबाबा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया।

श्रद्धांजली समारोह के पश्चात् आयोजित कैण्डिल पीस मार्च में लोगों ने हाथों में मोमबत्ती लेकर विश्व शान्ति एवं सद्भावना हेतु विशेष प्रार्थना की। तत्पश्चात् आयोजित पीस मार्च संस्था के कार्यालय से पुरातत्व संग्रहालय होते हुए सारनाथ चौराहे पर जाकर शान्ति सभा में परिणत हुई। यात्रा के दौरान विश्व शांति एवं सद्भावना के गीत बजाए गए। हाथों में मोमबत्ती एवं विश्व शान्ति दिवस का बैनर लिए सफेद वस्त्रधारी ब्रह्माकुमार–कुमारी भाई–बहनों ने 5 मिनट का मौन धारण कर विश्व शान्ति की कामना की। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. तापोशी बहन ने किया।

इस अवसर पर देश व दुनिया के अनेक देशों में स्थित संस्था के केन्द्रों पर विश्व शान्ति हेतु विशेष प्रार्थना सभा एवं मौन साधना कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सारनाथ स्थित शाखा में सदस्यों ने प्रातः 3 बजे से ही विश्व शान्ति हेतु 12 घण्टे की विशेष मौन साधना रखी। श्रद्धांजलि समारोह में अनेक स्थानीय समाजसेवी, व्यापारी आदि के साथ सर्वसाधारण की उपस्थिति रही।

उक्त अवसर पर मुख्य रूप से ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. प्रीती, पूजा एवं ब्र.कु. भाई गंगाधर, अजीत, राजकुमार, सत्यनारायण, सूरज, अशोक, प्रदीप, दीपक आदि की उपस्थिति रही। ज्ञातव्य हो कि विश्व शान्ति एवं सद्भावना के क्षेत्र में समर्पित ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक ब्रह्माबाबा 18 जनवरी सन् 1969 में अपनी देह का त्याग कर अव्यक्त हुए थे।